



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 392] नई दिल्ली, बृहस्पति, 16 अगस्त 1984/श्रावण 25 1906  
No 392] NEW DELHI, FRIDAY, 16 AUGUST 1984/SRAVANA 25, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1984

का आ 602(अ) —केन्द्रीय सरकार, विकास परिषद् (प्रक्रिया मबधी)  
नियम, 1951 के नियम 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास और विनियमन)  
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास की अधिसूचना सं. आ  
415(अ)/6/उ वि वि अ /84, दिनांक 4 जून, 1984 में निम्नलिखित मशोधन  
करती है

क्रम सं. 17 में संबंधित प्रविष्टि को “कार्यकारी निदेशक, राज्य सड़क परिवहन उपक्रम परिसंघ” पढ़ा जाए ।

[फा. सं. 1(41)/82-एल आर.-2]

ए. पी. सरदान, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th August, 1984

S.O. 602(E).—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rules 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952 the Central Government makes the following amendments in the Government of India Notification No. S.O. 415(E) 6/IDR 1/84, dated 4th June, 1984, Ministry of Industry, Department of Industrial Development.

The entry relating to S. No. 17 may be read as “Executive Director, Association of State Road Transport Undertakings”.

[File No. 1 (41)/82-LR. II]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.